बरेली, शुक्रवार
15 मई 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
12

दैनिक जागरण

Page No-3, Middle

आठ हजार फड़ वालों को आर्थिक सहारा

किसानों को मिलेगा लोन, वित्तमंत्री की घोषणा से रोजमर्रा कमाने वालों को राहत की उम्मीद

जागरण संवाददाता, बरेली: कोरोना के कारण प्रभावित हुए हर सेक्टर को सुधारने की कवायद में केंद्र सरकार विशेष पैकेज दे रही। इसी क्रम में गुरुवार को स्ट्रीट वेंडर्स, किसानों, मजदूरों के लिए कई एलान किए गए। सडक किनारे फड़ लगाने वालों के लिए लोन दिया जाएगा। नगर निगम सीमा के अंदर करीब आठ हजार फड़, ठेले वाले हैं। लॉकडाउन के कारण इनका काम पूरी तरह बंद हो गया था। महज सब्जी विक्रेता ही अपनी नियमित दिनचर्या के अनुसार आय के साधन जुटा सके। सरकार इनके लिए दो से दस हजार रुपये तक का लोन देगी। ऑनलाइन आवेदन के जरिये लोन पा सकेंगे। शहर में फड लगाने वालों में सबसे अधिक संख्या कपड़ा विक्रेताओं की है। इंदिरा मार्केट जैसे पूरे बाजार फड़ पर ही लगते हैं। इसके अलावा जिले के करीब साढे लाख किसानों में से दो लाख के क्रेडिट कार्ड अभी नहीं बने हैं। नए एलान के बाद जरूरत पर इन लोगों को भी लोन मिलने का रास्ता साफ होगा।

पहले सरकार ने वेंडर्स को एक-एक हजार रुपये की आर्थिक मदद दी थी। सर्वे के बाद ब्योरा अधिकारियों को सौंपा था। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ललितेश कुमार के मुताबिक, पहले वेंडरों को आर्थिक मदद दी गई। अब उन्हें स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

इनका यह कहना है

सरकार के एलान में ऐसे शैक्षणिक और चिकित्सीय संस्थान नहीं रहे, जिन्होंने कोविड-19 के संक्रमण में अपने परिसर समर्पित किए हैं। उनका रेवेन्यु शून्य हो चुका है। इस दिशा में भी विचार होना चाहिए।

- आदित्य देव मूर्ति, डायरेक्टर एसआरएमएस

लॉकडाउन के वक्त खाद, यूरिया के दामों में 50 फीसदी छूट मिलनी चाहिए थी। सरकारी खरीद केंद्रों पर सभी किसान गेहूं बेच नहीं सके। उन्हें बाजार में अच्छा दाम नहीं मिला। ट्यूबवेल के बिल भी प्रतिपूर्ति होनी चाहिए।

- अनिल साहनी, उन्नतशील किसान

किसानों की समस्या सिर्फ सस्ता ऋण नहीं है। फसल के लिए खाद अभी महंगी है। उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए जिम्मेदारी के साथ सरकार को आगे बढ़ना होगा। सस्ता ऋण देने के विचार का स्वागत करना चाहिए।

- निहाल सिंह, उन्नतशील किसान

चीन से नाराज होकर भारत आने वाली कंपनियों के लिए सरकार अच्छा वातावरण तैयार कर रही है। किसान, रेहड़ी वालों के पास रुपया आने के बाद सकारात्मक पहल है। बशर्ते की इसमें पारदिशता रहे। बैंक का दायित्व भी अब बहुत अधिक बढ़ जाता है।

- किशोर कटरू, कारोबारी

हमें वित्त मंत्री के ऐलान के बारे में जानकारी मिली है। लॉकडाउन के दौरान वेंडरों की हालत बहुत खराब हो गई थी। अगर हमें सस्ते लोन दिए जाते हैं तो इससे बहुत मदद होगी। सरकार के इस कदम से राहत मिलेगी।

- संतोष कुमार, वेंडर

मदद से खेत मुस्कुराएंगे, लहलहाएंगी फसलें

जागरण संवाददाता, बरेली : सरकारी मदद से अब खेत मुस्कुराएंगे तो फसलें लहलहाएंगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड की मंजूरी की बात कही। इससे जिले के करीब पौने दो लाख किसानों को फायदा होगा।

जिले में इस समय करीब 4.60 लाख पंजीकृत किसान हैं। इनमें से करीब 2.74 लाख किसानों के क्रेडिट कार्ड बन चुके। अब वित्तमंत्री के ऐलान के बाद जिले के करीब पौने दो लाख किसानों को इसका फायदा मिलेगा। इससे वह न सिर्फ अपनी उपज बढ़ा सकेंगे बल्कि उन्हें तीन महीने तक ऋण पर ब्याज भी नहीं देना पड़ेगा। इसके साथ छोटे-छोटे सीमांत किसानों को भी फसल के लिए कम ब्याज पर ऋण मिलेगा। वहीं जिले में अब तक किसान सम्मान निधि के तहत 3.71 लाख किसानों को पहली किश्त, 3.58 लाख किसानों को दूसरी और 3.33 लाख किसानों को तीसरी किश्त दी जा चुकी।

किसानों की आय दोगुनी हो। इसके लिए सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। अब सरकार के नए ऐलान से किसानों की उपज बढ़ेगी साथ ही किसानों की आय में वृद्धि होगी।

धीरेंद्र चौधरी, जिला कृषि अधिकारी